

गाजा में हवाई सहायता - बस एक धुंधला पर्दा

3 मार्च 2025 से, इज़राइल ने गाजा पट्टी पर पूर्ण घेराबंदी लागू की है, जो **23 लाख लोगों** का घर है, जिनमें से अधिकांश बच्चे हैं। वित्त मंत्री **बेज़ालेल स्मोट्रिच** ने घोषणा की: **“गाजा में गेहूँ का एक भी दाना नहीं जाएगा।”** यह घोषणा नरसंहार नीति बन गई। इसके बाद के महीनों में, यह क्षेत्र **चरण 5 की भुखमरी** में डूब गया, जो **एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण (IPC)** द्वारा वर्गीकृत सबसे विनाशकारी स्तर है।

जुलाई 2025 तक, गाजा के अस्पतालों में निश्चितक और भोजन खत्म हो चुके थे, डॉक्टर भूख से सर्जरी के दौरान बेहोश हो रहे थे, और दर्जनों बच्चे पहले ही भुखमरी से मर चुके थे। “हम दूसरों को ठीक करते हैं जबकि हमें खुद ठीक होने की जरूरत है,” **डॉ. फादी बोरा**, एक गाजा सर्जन, ने 12 घंटे की शिफ्ट के बाद खाली पेट लिखा। यह युद्ध का व्यवधान नहीं है - यह **जानबूझकर भुखमरी** है, जिसे नीति के रूप में हथियार बनाया गया है।

कानूनी मामला: इज़राइल द्वारा स्पष्ट उल्लंघन

कब्जा करने वाली शक्ति के रूप में, इज़राइल **चौथे जेनेवा सम्मेलन के अनुच्छेद 55** के तहत कानूनी रूप से खाद्य और चिकित्सा आपूर्ति प्रदान करने के लिए बाध्य है। इसके बजाय, उसने गाजा में प्रवेश करने वाली सभी सहायता को अवरुद्ध, बमबारी और नियंत्रित किया है।

अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत, **युद्ध की विधि के रूप में नागरिकों की भुखमरी एक युद्ध अपराध** है (रोम संविधि, अनुच्छेद 8(2)(b)(xxv))। यह **जेनेवा सम्मेलनों के सामान्य अनुच्छेद 3** का भी गंभीर उल्लंघन है, जो “जीवन और व्यक्ति के खिलाफ हिंसा” को रोकता है, जिसमें अभाव के कारण मृत्यु का कारण बनने वाले कार्य शामिल हैं।

इज़राइल **अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ)** द्वारा **जनवरी और मार्च 2024 में जारी किए गए अस्थायी उपायों** का भी **उल्लंघन** कर रहा है, जिनमें उसे मानवीय सहायता की अनुमति देने और नरसंहार में योगदान देने वाले कार्यों को रोकने की आवश्यकता थी। ये उपाय बाध्यकारी हैं। इज़राइल ने इन्हें खुले तौर पर नजरअंदाज किया है।

अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी: सुरक्षा

इज़राइल की जिम्मेदारियों से परे, सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देश **नरसंहार सम्मेलन** से बंधे हैं, जो नरसंहार की **रोकथाम** की मांग करता है - न कि केवल इसके बाद की सजा। **ICJ का 2007 का बोस्निया बनाम सर्बिया निर्णय** इस कर्तव्य की पुष्टि करता है: यदि उनके पास हस्तक्षेप करने की क्षमता थी और वे कार्रवाई करने में विफल रहे, तो राज्य जिम्मेदार हो सकते हैं।

जिम्मेदारी से रक्षा (R2P) ढांचा इसे और मजबूत करता है: जब कोई राज्य अपनी आबादी की रक्षा करने में अनिच्छुक या असमर्थ है - या इससे भी बदतर, वह अपराधी है - तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को **कार्रवाई करनी चाहिए**। गाजा में, विश्व ने कार्रवाई नहीं की। उसने इसे संभव बनाया।

समयरेखा महत्वपूर्ण है: मार्च से जुलाई 2025 तक कोई हवाई सहायता नहीं

एक सामान्य गलतफहमी को ठीक करना महत्वपूर्ण है: **मार्च से जुलाई 2025 तक कोई हवाई सहायता नहीं हुई**। इज़राइल के घेराबंदी के शुरुआती महत्वपूर्ण महीनों के दौरान - जब भुखमरी की स्थिति तेजी से बिगड़ी - **इज़राइल ने किसी भी हवाई सहायता को अधिकृत करने से इनकार कर दिया**, और अधिकांश देशों ने इसका पालन किया।

केवल **27 जुलाई 2025** को, भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव के तहत और जब कुपोषित बच्चों और ढह चुके अस्पतालों की तस्वीरें निर्विवाद हो गईं, तब हवाई सहायता फिर से शुरू हुई। इसका मतलब है कि घेराबंदी के पहले **144 दिन बिना किसी हवाई सहायता वितरण** के बीत गए।

27 जुलाई 2025 से प्रलेखित हवाई सहायता

उपलब्ध रिकॉर्ड निम्नलिखित को इंगित करते हैं:

तारीख	शामिल देश	सहायता की मात्रा	विमान का प्रकार (यदि ज्ञात हो)
27 जुलाई 2025	जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात	25 टन	निर्दिष्ट नहीं
31 जुलाई 2025	संभवतः जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात	43 सहायता पैकेज	निर्दिष्ट नहीं
1 अगस्त 2025	स्पेन, फ्रांस, जर्मनी, मिस्र, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, इज़राइल	126 पैकेज (~57 टन)	मिश्रण: C-130 और A400M की पुष्टि

ये डिलीवरी - हालांकि इसमें कई देश और आधुनिक विमान शामिल हैं - फिर भी बेहद अपर्याप्त हैं। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि गाजा में न्यूनतम मानवीय मानकों को पूरा करने के लिए प्रति दिन 2,000-3,000 टन की आवश्यकता है। 1 अगस्त को वितरित 57 टन इस आवश्यकता का 3% से भी कम हिस्सा हैं।

बर्लिन हवाई पुल बनाम गाजा हवाई सहायता: तथ्यात्मक तुलना

अभियान	उड़ानें/दिन	टन/दिन	कुल अवधि	उपयोग किए गए विमान
बर्लिन हवाई पुल (1948-49)	~541	~4,978	15 महीने	C-47 (3.5 टन), C-54 (10 टन), एवरो यॉर्क
गाजा हवाई सहायता (2025)	~2-4 (केवल 27 जुलाई से)	22-57 (शिखर)	1 सप्ताह (जारी)	C-130, A400M (पेलोड 37 टन तक)

आधुनिक विमानों और बेहतर रसद के बावजूद, गाजा में हवाई सहायता प्रतीकात्मक इशारे बनी हुई है, न कि रणनीतिक हस्तक्षेप। बर्लिन हवाई पुल ने 22 लाख लोगों को एक साल से अधिक समय तक पुराने, छोटे विमानों के साथ युद्धोत्तर वातावरण में सहारा दिया। गाजा की आबादी लगभग समान है, फिर भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया कई गुना छोटी है, इसके बावजूद कि क्षमताएं कहीं अधिक हैं।

यह क्यों मायने रखता है: हवाई सहायता एक धुंधला पर्दा है

यह तुलना निंदनीय है। बर्लिन में, दुनिया ने एक महाशक्ति को चुनौती दी ताकि एक शहर को बचाया जा सके। गाजा में, दुनिया एक क्षेत्रीय शक्ति के साथ सहमति जताती है सहभागिता के बिंदु तक।

आज के हवाई सहायता वास्तविक समाधान के रूप में काम नहीं करते, बल्कि जनसंपर्क उपकरण के रूप में हैं - पश्चिमी सरकारों के लिए घरेलू आक्रोश को शांत करने का एक तरीका, बिना इज़राइल के घेराबंदी का सीधे सामना किए। वे एक धुंधला पर्दा हैं, न कि रणनीति।

ICC और ICJ पूछेंगे: क्या पर्याप्त किया गया?

कानूनी हिसाब-किताब आएगा। जब अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) गाजा में भुखमरी का मूल्यांकन करेंगे, तो वे पूछेंगे:

“क्या पर्याप्त किया गया, और क्या पहले और अधिक किया जा सकता था?”

जवाब होगा:

■ बहुत कम। बहुत देर से। और जानबूझकर।

- **बहुत कम:** वितरित सहायता उसके एक अंश थी जो संभव था, भले ही आधुनिक विमानों और अंतरराष्ट्रीय समन्वय के साथ।
- **बहुत देर से:** यह केवल वैश्विक आक्रोश के चरम पर पहुंचने के बाद शुरू हुआ, और जब भुखमरी पहले ही विनाशकारी, अपरिवर्तनीय स्तरों तक पहुंच चुकी थी।

यह फैसला न केवल इज़राइल को दोषी ठहराएगा। यह उन सरकारों को भी फंसाएगा जिन्होंने इस अत्याचार को संभव बनाया:

- **संयुक्त राज्य**, इज़राइल को कूटनीतिक रूप से ढालने और हथियारों की आपूर्ति करने के लिए
- **जर्मनी**, युद्धविराम की भाषा को अवरुद्ध करने और सैन्य सामान निर्यात करने के लिए
- **यूनाइटेड किंगडम**, प्रतीकात्मक सहायता प्रदान करने के लिए जबकि घेराबंदी को चुनौती देने से इनकार किया
- और अन्य जो भुखमरी को रणनीति बनने की अनुमति दी।

इतिहास उन्हें माफ नहीं करेगा

1948 में, दुनिया ने इतिहास में सबसे बड़ा मानवीय हवाई पुल आयोजित किया। 2025 में, इसने पूरी आबादी को भूख से मरने दिया, प्रतीकात्मक हवाई सहायता केवल तब दी जब कुपोषित बच्चे स्क्रीन और समयरेखाओं पर छा गए।

हिसाब-किताब आएगा - न्यायालयों में, अभिलेखागारों में, और भविष्य की पीढ़ियों के फैसले में।